

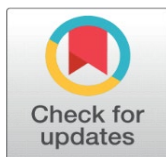
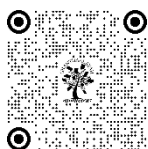
STUDY OF KNOWLEDGE, ATTITUDE AND PRACTICE RELATED TO MENSTRUATION AMONG ADOLESCENT GIRLS OF PRAYAGRAJ DISTRICT

प्रयागराज जिले की किशोरियों में रजोधर्म सम्बन्धी ज्ञान, दृष्टिकोण तथा अभ्यास का अध्ययन

Bharti Pandey¹, Pooja Pandey²

¹ Associate Professor, A.N.D.N.M. Mahavidyalaya Kanpur (Affiliated to C.S.J.M. University)

² Researcher, A.N.D.N.M. Mahavidyalaya Kanpur (Affiliated to C.S.J.M. University)



ABSTRACT

English: Knowledge related to menstruation and hygiene during menstruation is very important for adolescent girls. It is an important issue among adolescent girls that they need guidance to maintain proper hygiene during menstruation. Lack of knowledge, attitude and practice related to hygiene among adolescent girls increases serious health related issues, so the aim of this research is to study knowledge, attitude and practice related to menstruation. Descriptive cross-sectional method has been used in the present study. Under this study, 50 girls from intermediate college of Prayagraj district have been taken. Non-probability convenient sampling method has been used. Self-made questionnaire was used to evaluate the knowledge, attitude and practice among adolescent girls and SPSS 27 has been used for data analysis. Under the present study, the average age of menarche was 13 years, 74% of the girls knew the meaning of menarche, 100% of the girls use sanitary pads. Under the present study, it was found that the level of knowledge, attitude and practice related to menstruation has increased but there is still not enough information.

Hindi: मासिक धर्म से सम्बन्धित ज्ञान तथा मासिक धर्म के दौरान स्वच्छता से सम्बन्धित ज्ञान किशोरियों के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। यह किशोर लड़कियों के बीच महत्वपूर्ण मुद्दा है कि उन्हें मासिक धर्म के दौरान उचित स्वच्छता रखने के लिए मार्गदर्शन की आवश्यकता है। किशोर लड़कियों के बीच स्वच्छता से सम्बन्धित ज्ञान, दृष्टिकोण तथा अभ्यास की कमी स्वास्थ्य से सम्बन्धित गम्भीर मुद्दों को बढ़ाती है इसलिए इस शोध का उद्देश्य मासिक धर्म से सम्बन्धित ज्ञान दृष्टिकोण तथा अभ्यास का अध्ययन करना है। वर्तमान अध्ययन में वर्णात्मक अनुप्रस्थ विधि का उपयोग किया गया है। इस अध्ययन के अन्तर्गत प्रयागराज जिले की इण्टरमीडिएट कॉलेज की 50 लड़कियों को लिया गया है। गैर सम्भाव्य सुविधाजनक प्रतिदर्श चयन विधि का उपयोग किया गया है। किशोर लड़कियों के बीच ज्ञान, दृष्टिकोण और अभ्यास के मूल्यांकन के लिए स्वनिर्मित प्रश्नावली का उपयोग किया गया और आकड़ों के विश्लेषण के लिए एस.पी.एस.एस.27 का प्रयोग किया गया है। वर्तमान अध्ययन के अन्तर्गत रजोदर्शन की औसत आयु 13 वर्ष थी, 74% ऐसी लड़कियाँ थी जिन्हें रजोदर्शन का मतलब पता था, 100% लड़कियाँ सेनेटरी पैड का इस्तेमाल करती हैं। वर्तमान अध्ययन के अन्तर्गत पाया गया कि रजोधर्म से सम्बन्धित ज्ञान, दृष्टिकोण और अभ्यास का स्तर बढ़ा है किन्तु अभी भी पर्याप्त जानकारी नहीं है।

Keywords: Adolescent Girls., Menstruation, Knowledge, Attitude, Practice, किशोर लड़कियाँ, मासिक धर्म, ज्ञान, दृष्टिकोण, अभ्यास

DOI

10.29121/shodhkosh.v5.i6.2024.484
1

Funding: This research received no specific grant from any funding agency in the public, commercial, or not-for-profit sectors.

Copyright: © 2024 The Author(s). This work is licensed under a [Creative Commons Attribution 4.0 International License](#).

With the license CC-BY, authors retain the copyright, allowing anyone to download, reuse, re-print, modify, distribute, and/or copy their contribution. The work must be properly attributed to its author.



1. प्रस्तावना

बाल्यावस्था तथा पौढ़ावस्था के बीच किशोरावस्था मध्यवर्ती चरण है। इस चरण में शारीरिक परिवर्तन के साथ साथ मनोवैज्ञानिक और भावनात्मक परिवर्तन भी शामिल है। डब्ल्यू. एच. ओ. के अनुसार 10 से 19 वर्ष का व्यक्ति किशोर होता है। भारत में दुनिया की सबसे बड़ी किशोर आबादी है, जो की 253 मिलियन है और हर पांचवा व्यक्ति 10 से 19 वर्ष के बीच है। किशोरावस्था के दौरान लड़कियों में होने वाला महत्वपूर्ण शारीरिक परिवर्तन मासिक धर्म का प्रारम्भ होना है, जो कि द्वितीयक यौवन लक्षण है।

मासिक धर्म एक महिला में लगभग एक महीने के अन्तराल पर गर्भाशय की परत से रक्त और अन्य सामाग्री के बाहर निकलने की प्रक्रिया है। मासिक चक्र गर्भावस्था की संभावना की तैयारी के लिए एक महिला के शरीर में होने वाली मासिक परिवर्तनो की श्रृंखला है, यह क्रिया हार्मोस के नियंत्रण में होती हैं।

मासिक धर्म का प्रारम्भ होना प्राकृतिक और स्वस्थ घटना है। लड़कियों के लिए मासिक धर्म की प्रक्रिया को समझना बहुत आवश्यक है, ताकि वह स्वयं को ठीक ढंग से समायोजित कर सके। एक स्टडी के अनुसार किशोर लड़कियों को सामाजिक और संस्कृतिक बाधा के कारण अपने प्रजनन स्वास्थ्य और अंगों के बारे में जानकारी नहीं होती है। भारतीय समाज में मासिक धर्म को आमतौर पर अशुद्ध माना जाता है तथा मासिक धर्म वाली लड़कियों को मासिक धर्म के दौरान अलग कर दिया जाता है तथा बहुत सारे प्रतिबंध लगा दिए जाते हैं, जिस कारण मासिक धर्म के प्रति नाकारात्मक दृष्टिकोण मजबूत होता है। लोग इस पर खुलकर बात नहीं कर पाते और ना ही इससे सम्बन्धित विषय पर किशोरियों को जानकारी दे पाते हैं। इसलिए आवश्यक है कि इस विषय पर किशोरियों को जागरूक बनाया जाए।

मासिक धर्म के दौरान स्वच्छता सम्बन्धि मूद्दों को नजरअंदाज किया जाता है। लड़कियों और महिलाओं के अच्छे स्वास्थ्य के लिए मासिक धर्म सम्बन्धि स्वच्छता की बेहतर समझ होना महत्वपूर्ण है। जननांग क्षेत्र की सफाई और सेनेटरी पैड का उपयोग अच्छी आदतें हैं, जो मासिक धर्म के दौरान आवश्यक है।

मासिक धर्म के दौरान उपयोग किए जाने वाले अवशोषक पदार्थ जैसे सेनेटरी पैड, टैम्पान की जानकारी होना भी आवश्यक है ताकि लड़कियों इसका उपयोग कर खुद को स्वस्थ रख सके तथा पैप स्मीयर टेस्ट के बारे में जानकारी होना चाहिए ताकि खुद को स्वस्थ रख सके।

मासिक धर्म के दौरान स्वच्छता के अभ्यास से प्रजनन पथ संक्रमण, रिप्रोडक्टिव टैक्ट इन्फेक्शन ट्रान्समिशन का खतरा कम हो जाता है। चूकि आर. टी. आई. के परिणाम गंभीर हैं और महिलाओं के स्वास्थ्य पर नाकारात्मक प्रभाव भी डाल सकते हैं, जिससे डिसमिनोरिया मासिक धर्म के दौरान दर्द, बाझपन आदि शामिल है। इसलिए महिलाओं तथा किशोर लड़कियों को मासिक धर्म के दौरान स्वच्छता को अपनाना चाहिए।

उपरोक्त अध्ययन में प्रयागराज जिले की लड़कियों के बीच मासिक धर्म सम्बन्धी ज्ञान, दृष्टिकोण तथा अभ्यास का स्तर को जानने के लिए यह अध्ययन किया गया है।

2. साहित्य की समीक्षा

किशोर लड़कियों में मासिक धर्म एक महत्वपूर्ण पहलू है, स्वस्थ रहने के लिए मासिक धर्म के दौरान स्वच्छता की आवश्यकता होती है। लड़कियों को मासिक धर्म के बारे में जागरूक होने और इस अवधि के दौरान जननांग संक्रमण और अन्य स्थितियों को रोकने के लिए मासिक धर्म से सम्बन्धित जागरूकता तथा स्वच्छता सम्बन्धी अभ्यास की आवश्यकता होती है।

वर्तमान अध्ययन में स्कूली लड़कियों के बीच मासिक धर्म सम्बन्धित साहित्य की समीक्षा शामिल है।

- **सुभास बी. ठाकरे आदि 2011** के अध्ययन के अनुसार ग्रामीण तथा शहरी लड़कियों में ज्ञान का स्तर कम पाया गया। मासिक धर्म के दौरान स्वच्छता से सम्बन्धित अभ्यास का स्तर भी कम पाया गया। मासिक धर्म सम्बन्धी ज्ञान तथा जागरूकता की आवश्यकता है, तथा लोगों में मासिक धर्म के दौरान स्वच्छता सम्बन्धी अभ्यास स्तर को उच्च करना आवश्यक है।
- **नीलिमा शर्मा, पूजा शर्मा आदि 2013** के अनुसार मासिक धर्म के दौरान सेनेटरी पैड का उपयोग तथा जननांग क्षेत्रों की पर्याप्त धुलाई जैसी स्वच्छता प्रथाएं आवश्यक है। इन स्वच्छता प्रथाओं के ज्ञान तथा जागरूकता को सामान्य लोगों के बीच प्रसारित करना। इसके अन्तर्गत इंदौर के एम. बी. बी. एस. प्रथम वर्ष की 50 लड़कियों पर ये अध्ययन हुआ था। इसके अन्तर्गत पाया गया कि रजोदर्शन की औसत उम्र 13 वर्ष पाया गया। 33.22% लड़कियों में मासिक धर्म सम्बन्धी आदतों को उसकी माता द्वारा डलवाया गया। 86% लड़कियों सेनेटरी नैपकिस का उपयोग कर रही थी जो कि अन्य अध्ययनों से अधिक है इसका कारण है ज्ञान और आर्थिक स्तर उच्च होना।
- **सबाना सुलतान आदि 2017** के अध्ययन के अनुसार मासिक धर्म और मासिक धर्म सम्बन्धी प्रथाएं अभी भी सांस्कृतिक प्रतिबंधों से घिरी हुई हैं, जिसके परिणामस्वरूप किशोर लड़कियों वैज्ञानिक तथ्यों और स्वास्थ्य प्रथाओं से अनभिज्ञ रहती हैं, जिसके फलस्वरूप कभी-कभी गंभीर परिणाम स्वास्थ्य पर देखने को मिलता है। इसलिए आवश्यक हो जाता है कि किशोर लड़कियों को मासिक धर्म से सम्बन्धित ज्ञान दृष्टिकोण तथा अभ्यास का स्तर उच्च उठाया जाए। इसके अन्तर्गत 10-18 वर्ष की 350 स्कूली लड़कियों को लिया गया तथा उनका साक्षात्कार किया गया। इसके अन्तर्गत पाया गया कि सिर्फ 22% ही ऐसी लड़कियों थी जो सेनेटरी पैडस का उपयोग कर रही थी। बाकी

78% लड़कियों पैडस का उपयोग नहीं कर रही थी, उसके पीछे का कारण था अनुपलब्धता, जागरूकता की कमी तथा सेनेटरी पैडस की उच्च लागत।

- **यासमिन रूजिना आदि 2019** के अध्ययन के अन्तर्गत पाया की स्कूली आयु की अधिकांश लड़कियों मासिक धर्म के बारे में अनभिज्ञ थी और वे मासिक धर्म के दौरान उचित स्वच्छता उपायों का पालन नहीं कर रही थी। इस अध्ययन के अन्तर्गत पाया गया कि 80% ऐसी लड़कियों थी जिन्हें मासिक धर्म के बारे में पूर्वज्ञान नहीं था। 73% लड़कियों में पहला मासिक धर्म भय पूर्ण , तथा 10% लड़कियों अपने पहले मासिक धर्म के दौरान शर्मिन्दा हुई।
- **नेलपति एस. शेरले 2022** के अध्ययन के अन्तर्गत पाया गया कि लड़कियों में मासिक धर्म और मासिक धर्म के दौरान स्वच्छता से सम्बन्धित जानकारी असन्तोषजनक पाई गई; लेकिन अभ्यास का स्तर अच्छा पाया गया। अधिकतर प्रतिबन्ध परिवार के दबाव के कारण थे जो यह दर्शाते हैं कि मासिक धर्म के प्रति खराब रवैया है। सिर्फ 11% ही ऐसी लड़कियों पायी गई जिनको मासिक धर्म के दौरान कोई प्रतिबन्ध नहीं लगाया गया।

3. अध्ययन की आवश्यकता

मासिक धर्म के बारे में सही समझ का व्यापक आभाव है, मासिक धर्म के बारे में स्पष्ट समझ ना होने के कारण कई समाज में लोग इसे अस्वस्थ और अशुद्ध मानते हैं। जिसके कारण मासिक धर्म से सम्बंधित अभ्यास का स्तर निम्न है जो की लड़कियों के प्रजनन स्वास्थ्य के लिए एक गम्भीर मुद्दा है क्योंकि लड़कियों ही भावी पीढ़ी की जननी है इसलिए उनके प्रजनन स्वास्थ्य से सम्बंधित ज्ञान का स्तर ज्ञात करना आवश्यक है

साहित्य समीक्षा से पता चला है कि मासिक धर्म के बारे में ज्ञान, दृष्टिकोण एवं अभ्यास पर ज्ञान का संचयी भंडार कम है; अतः इस अध्ययन का उद्देश्य ऐसा ज्ञान भंडार तैयार करना है जो भविष्य के स्वास्थ्य अभियानों और स्वास्थ्य योजनाओं के लिए आधार का काम करे।

प्रयागराज जिले के अन्तर्गत मासिक धर्म के दौरान स्वच्छता से सम्बंधित अध्ययनों का आभाव है इस कारण भी रजोधर्म से सम्बंधित ज्ञान, दृष्टिकोण, अभ्यास से सम्बंधित अध्ययन की आवश्यकता है।

4. अध्ययन के उद्देश्य

इस अध्ययन का उद्देश्य मासिक धर्म से सम्बन्धित ज्ञान , दृष्टिकोण तथा अभ्यास का अध्ययन करना है। इस अध्ययन के अन्तर्गत स्कूली लड़कियों के बीच जागरूकता का स्तर जानना, उनका दृष्टिकोण जानना तथा अभ्यास मासिक धर्म को लेकर क्या है, उसका स्तर ज्ञात करना है।

1- स्कूल जाने वाली लड़कियों में मासिक धर्म के बारे में ज्ञान का आकलन।

2- मासिक धर्म के बारे में लड़कियों के दृष्टिकोण का आकलन।

3- मासिक धर्म के दौरान स्वच्छता से सम्बन्धित अभ्यास का आकलन।

शोध प्रविधि

अनुसंधान के प्रकार - प्रस्तुत अध्ययन में अनुप्रस्थ वर्णात्मक विधि का उपयोग किया गया है।

अध्ययन क्षेत्र - यह अध्ययन प्रयागराज जिले के शहरी क्षेत्र के इण्टरमीडिएट कॉलेज में किया गया है।

अध्ययन जनसंख्या - यह अध्ययन कक्षा 10, 11 और 12 की लड़कियों पर किया गया है।

समाविष्ट के मानदण्ड - इस अध्ययन के अन्तर्गत सिर्फ उन्ही लड़कियों को लिया गया है जिनको मासिक धर्म प्रारम्भ हो चुके हैं तथा वह उत्तर देने के लिए तैयार थीं।

बहिष्करण के मानदण्ड - इस अध्ययन के अन्तर्गत उन लड़कियों को नहीं लिया गया है जिनको अभी मासिक धर्म प्रारम्भ ना हुआ हो।

इस अध्ययन के अन्तर्गत उन लड़कियों को नहीं लिया गया है जो उत्तर देने के लिए तैयार नहीं थीं।

अध्ययन अवधि - अध्ययन की अवधि जुलाई 2024 से सितम्बर 2024 के अन्तर्गत हुआ है।

प्रतिदर्श चयन - इस अध्ययन के अन्तर्गत उद्देश्यपूर्ण प्रतिचयन विधि का उपयोग किया गया।

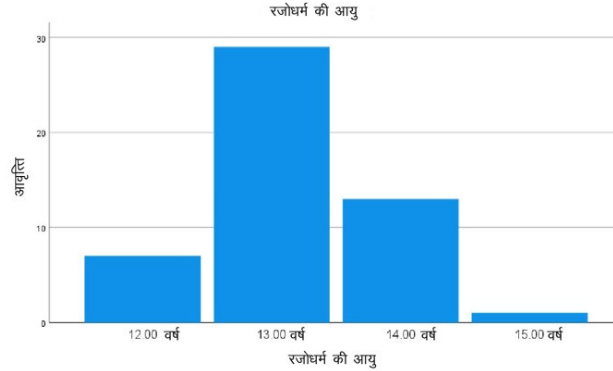
प्रतिदर्श संख्या - इस अध्ययन के अन्तर्गत 50 लड़कियों को लिया गया है। जिनको मासिक धर्म प्रारम्भ हो चुके हैं।

आकड़े संग्रह विधि - इस अध्ययन के अन्तर्गत लड़कियों को लिया गया है। जो कि प्रयागराज जिले के शहरी क्षेत्र से हैं। लड़कियों से मौखिक सहमति मिलने के उपरान्त आकड़ों को स्वनिर्मित प्रश्नावली के माध्यम से संग्रहित किया गया है।

5. परिणाम

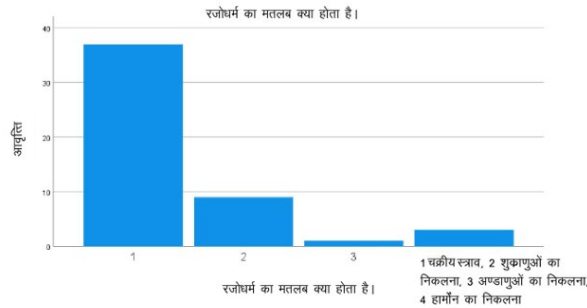
वर्तमान अध्याय स्कूली आयु की लड़कियों में मासिक धर्म के बारे में ज्ञान, दृष्टिकोण और अभ्यास के परिणामों के बारे में है। आकड़े के विश्लेषण के लिए SPSS 27 संस्करण का उपयोग किया गया है जनसंख्यिकीय और अन्य चर आवृत्तियों, प्रतिशत, ग्राफ के रूप में दिखाए गए हैं।

आरेख संख्या 1: रजोदर्शन की आयु ?



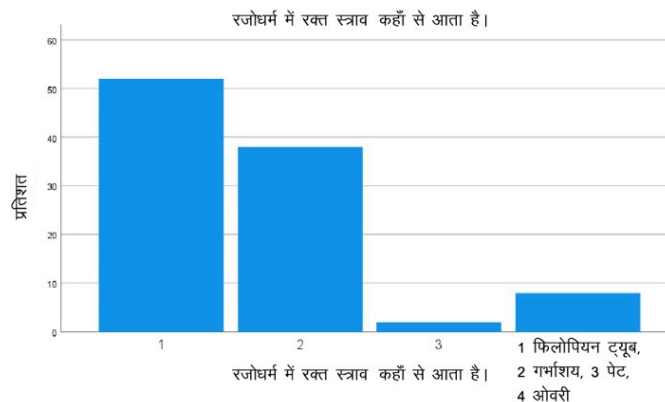
आरेख संख्या 1 के अनुसार 58% ऐसी लड़कियों थी जिनकी रजोदर्शन की आयु 13 वर्ष थी, 26% ऐसी लड़कियों थी जिनकी रजोदर्शन की आयु 14 वर्ष थी, 14% ऐसी लड़कियों थी जिनकी रजोदर्शन की आयु 12 वर्ष थी, 2% ऐसी लड़कियों थी जिनकी रजोदर्शन की उम्र 15 वर्ष थी अतः अधिकांश लड़कियों की रजोदर्शन की आयु 13 वर्ष थी।

आरेख संख्या 2: रजोधर्म का मतलब क्या होता है ?



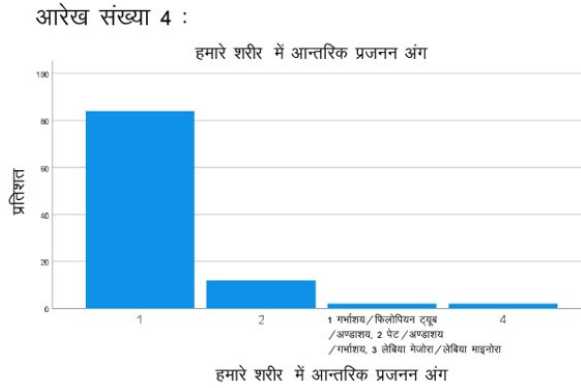
आरेख संख्या 2 के अनुसार 74% ऐसी लड़कियों थी जिनको रजोधर्म का मतलब पता था, जबकि 26% ही ऐसी लड़कियों थी जिन्हें रजोधर्म का मतलब नहीं पता था।

आरेख संख्या 3: रजोधर्म में रक्त स्राव कहाँ से आता है ?



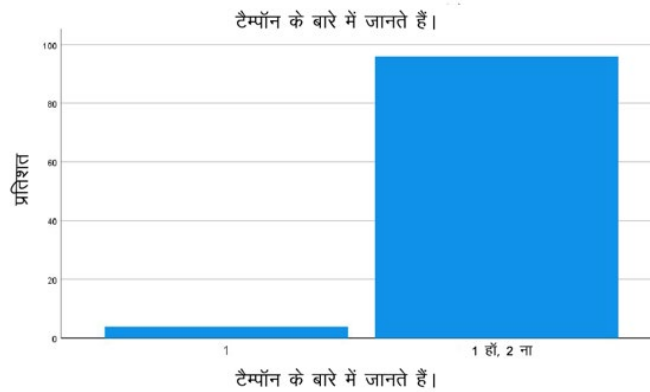
आरेख संख्या 3 के अनुसार 38% ऐसी लड़कियों थी जिन्हें यह पता था कि रजोधर्म के दौरान रक्त कहाँ से आता है ,जबकि 62% लड़कियों को यह पता नहीं था कि रजोधर्म के दौरान रक्त स्त्राव कहाँ से आता है।

आरेख संख्या 4: हमारे शरीर में आन्तरिक प्रजनन अंग कौन से हैं ?



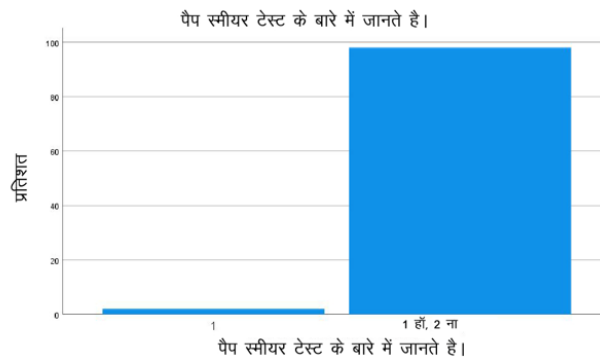
आरेख संख्या 4 के अनुसार 84% ऐसी लड़कियों थी जिन्हें आन्तरिक प्रजनन अंग पता थे, जबकि 16% ऐसी लड़कियों थी जिन्हें उनके आन्तरिक प्रजनन अंग पता नहीं था।

आरेख संख्या 5: क्या आप टैम्पॉन के बारे में जानती हैं ?



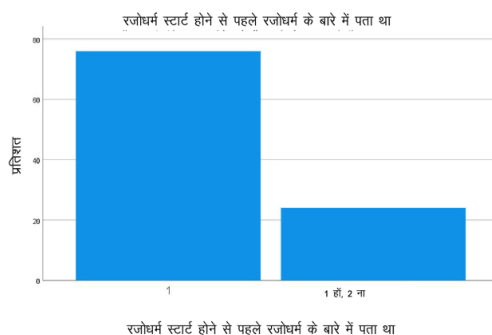
आरेख संख्या 5 के अनुसार 96% लड़कियों को टैम्पोन के बारे में पता नहीं था, जबकि 4% लड़कियों को टैम्पोन के बारे में पता था।

आरेख संख्या 6: क्या पैप स्मीयर टेस्ट के बारे में जानते हैं ?



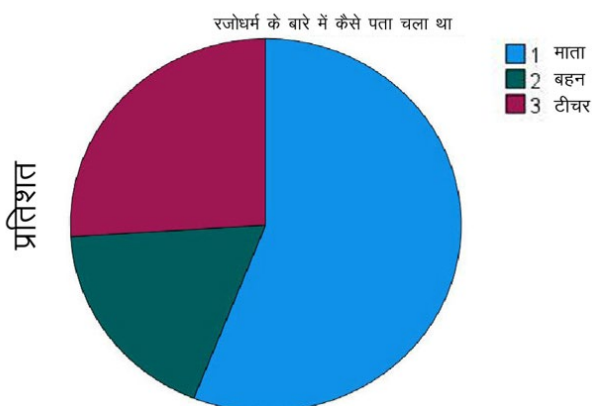
आरेख संख्या 6 के अनुसार 98% प्रतिशत लड़कियों को पैपस्मीयर टेस्ट के बारे में नहीं पता था, जबकि 2% ही लड़कियों को पैपस्मीयर टेस्ट के बारे में पता था।

आरेख संख्या 7: रजोधर्म प्रारम्भ होने से पहले रजोधर्म के बारे में पता था ?



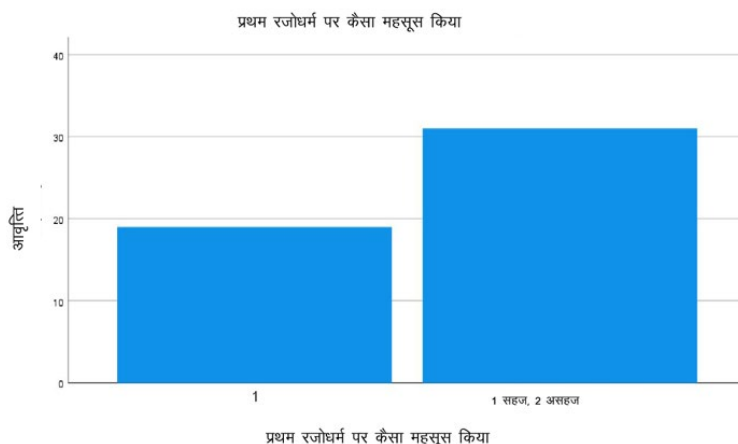
आरेख संख्या 7 के अनुसार 76% ऐसी लड़कियों थी, जिन्हें रजोधर्म प्रारम्भ होने से पहले रजोधर्म के बारे में पता था जबकि 24% ऐसी लड़कियों थी, जिन्हें रजोधर्म प्रारम्भ होने से पहले रजोधर्म के बारे में पता नहीं था।

आरेख संख्या 8: रजोधर्म के बारे में कैसे पता चला था ?



आरेख संख्या 8 के अनुसार 56% ऐसी लड़कियों थी जिन्हें रजोधर्म के बारे में जानकारी उनकी माँ से मिली थी, 18% को बहन से तथा 26% को टीचर से जानकारी मिली थी।

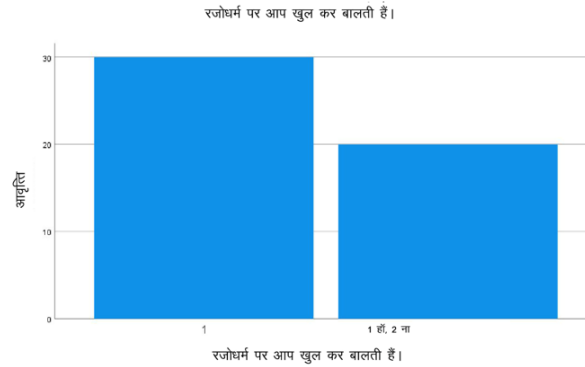
आरेख संख्या 9: प्रथम रजोधर्म पर कैसा महसूस किया ?



आरेख संख्या 9 के अनुसार 38% लड़कियों ही अपने प्रथम रजोधर्म पर सहज महसूस किया, जबकि 62% लड़कियों अपने प्रथम रजोधर्म के दौरान असहज महसूस किया।

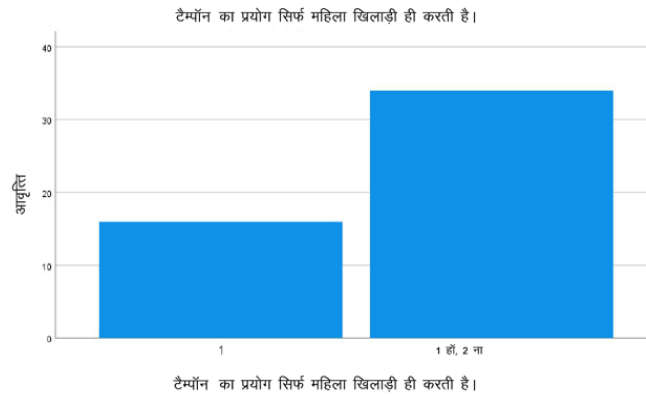
आरेख संख्या 10: क्या आप रजोधर्म पर खुल कर बोल पाती है ?

आरेख संख्या 10 :



आरेख संख्या 10 के अनुसार 60% ऐसी लड़कियों थी जो रजोधर्म पर खुलकर बोल पाती है, जबकि 40% ऐसी लड़कियों थी जो रजोधर्म पर खुलकर बोल नहीं पाती हैं।

आरेख संख्या 11: क्या आपको लगता है कि टैम्पॉन का प्रयोग सिर्फ महिला खिलाड़ी ही करते हैं ?



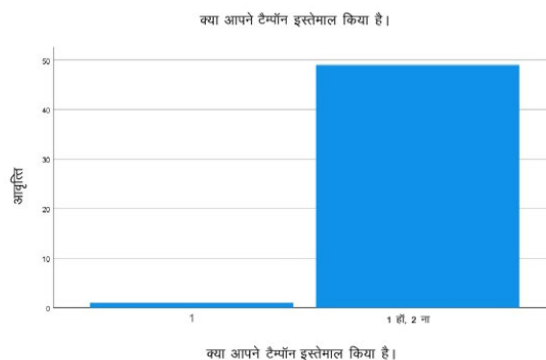
आरेख संख्या 11 के अनुसार 32% ऐसी लड़कियों थी जिन्हें ऐसा लगता है कि टैम्पॉन का प्रयोग सिर्फ महिला खिलाड़ी ही करती हैं, 68% ऐसी लड़कियों थी जिन्हें लगता है कि टैम्पॉन का प्रयोग आम व्यक्ति भी करते हैं।

आरेख संख्या 12: रजोधर्म के दौरान आप क्या इस्तेमाल करती हैं ?

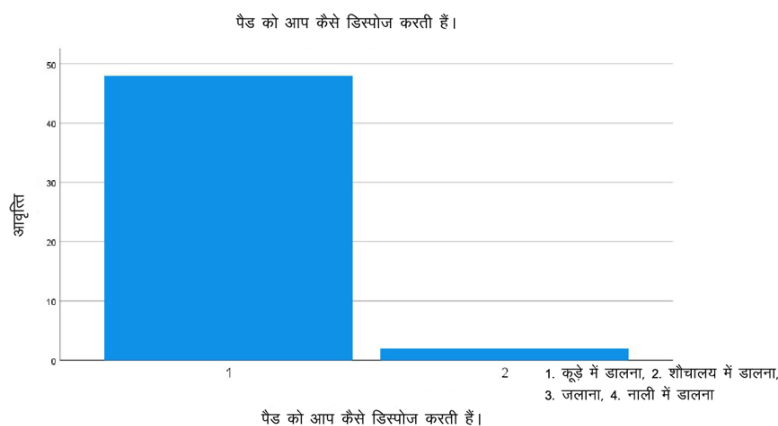


आरेख संख्या 12 के अनुसार 100% लड़कियों सेनेटरी पैड का इस्तेमाल करती है।

आरेख संख्या 13: क्या आपने टैम्पॉन इस्तेमाल किया है ?



आरेख संख्या 13 के अनुसार 98% लड़कियों ने टैम्पॉन यूज नहीं किया है बाकी 2% ने टैम्पॉन यूज किया है।



आरेख संख्या 14: पैड को आप कैसे डिसपोज करती है ?

आरेख संख्या 14 के अनुसार 96% लड़कियों ऐसी थी जिन्होंने कूड़े में डिस्पोज किया सेनेटरी पैडस, 4% ऐसी लड़कियों थी जिन्होंने शौचालय में सेनेटरी पैडस को डिस्पोज किया।

6. विवेचन

वर्तमान अध्ययन में रजोधर्म प्रारम्भ होने की औसत आयु 13 वर्ष पायी गयी जो कि नीलिमा शर्मा, पूजा शर्मा 2013 के द्वारा किए अध्ययन के समान है। यह अपेक्षा की जाती है कि लड़कियों को रजोधर्म प्रारम्भ होने से पूर्व रजोधर्म की जानकारी लड़कियों को दी जानी चाहिए, ताकि वह अपने प्रथम रजोधर्म पर सहज महसूस कर सके। इस अध्ययन में 67% लड़कियों को रजोधर्म प्रारम्भ होने से पूर्व रजोधर्म के विषय में पता था। जो की रूजिना यासमिन, मुहम्मद अफजाल 2019 के अध्ययन से अधिक है उनके अध्ययन में मात्र 20% ही लड़कियों को रजोधर्म प्रारम्भ होने से पूर्व ज्ञान था। जानकारी का स्रोत उनकी माँ, बहन और टीचर थी जिनमे से 58% लड़कियों को उनकी माँ से जानकारी मिली थी, जो कि सबाना सुलतान 2017 के अध्ययन से कम है उनके अध्ययन में 70% लड़कियों को जानकारी उनकी माँ के द्वारा मिली। किन्तु जानकारी का स्तर पर्याप्त नहीं पाया गया जिसकी वजह से मात्र 38% लड़कियों ही अपने प्रथम रजोधर्म के दौरान सहज महसूस किया बाकी 62% लड़कियों ने अपने प्रथम रजोधर्म पर असहज महसूस किया। इस अध्ययन के अन्तर्गत पाया गया की 96% लड़कियों पैड को कूड़े में डिस्पोज कर रही है जबकी की एस. नेलपति के अध्ययन में 62% लड़कियों ने पैड को कूड़े में डिस्पोज किया

वर्तमान अध्ययन में टैम्पोन तथा पैप स्मीयर टेस्ट के बारे में भी जानकारी ली गयी जिसमें पाया गया कि 96% लड़कियों को इसके बारे में नहीं पता था जो की जानकारी के निम्न स्तर के होने का संकेत है।

वर्तमान अध्ययन में पाया गया कि 100% लड़कियों सेनेटरी पैड का उपयोग कर रही है जो कि सबाना सुलतान आदि 2017 की स्टडी के अनुसार 22% लड़किया सेनेटरी पैड का उपयोग कर रही थी से ज्यादा है। इसका कारण है समय अन्तराल।

निष्कर्ष

वर्तमान अध्ययन के अन्तर्गत पाया गया कि रजोधर्म से संबंधित ज्ञान, दृष्टिकोण और अभ्यास का स्तर बढ़ा है, किन्तु अभी पर्याप्त जानकारी नहीं है। बहुत सी ऐसी लड़कियाँ हैं जिनको रजोधर्म के बारे में, आन्तरिक प्रजनन अंगों के बारे में, रजोधर्म की अवधि के बारे में पूर्ण जानकारी नहीं है।

कुछ नवीन अवशोषक पदार्थ जैसे टैम्पोन के बारे में बिलकुल ही जानकारी नहीं है। इस के अतिरिक्त पैप स्मीयर टेस्ट के बारे में बिलकुल भी जानकारी नहीं है।

अतः लड़कियों को रजोधर्म से सम्बन्धित ज्ञान, दृष्टिकोण तथा अभ्यास के स्तर को उच्च करना आवश्यक है।

सन्दर्भग्रन्थ सूची

डब्लू डब्लू डब्लू एन इन्ट झ हेल्थ टॉपिक्स

अडोलेसेन्ट डेवलपमेन्ट एन्ड पार्टिसिपेसन ; 2021 ब्र अवेलेबल ऐट: एच टी टी पी: // डब्लू डब्लू डब्लू . यूनिसेफ . ओ. आर. जी./ इण्डिया

यास्मीन रूजीना, अफजाल मुहम्मद, हुसैन मुहम्मद ऐट ऑल ; 2019 ब्र नॉलेज एटीट्यूट एण्ड प्रैक्टिस ऑफ़ टीनएजर गर्ल्स रिगार्डिंग मेंस्ट्रुएशन, यूरोपियन रिसर्च, वाल्यूम 7, 360-379

ठाकरे, एस. बी. , ठाकरे एस. एस. , रेड्डी , एम., राठी , एन. ऐट ऑल ; 2011 ब्र मेंस्ट्रुएल हाइजीन: नॉलेज एण्ड प्रैक्टिस अमंग अडोलेसेन्ट स्कूल गर्ल्स ऑफ़ सोनेर, नागपूर डिस्ट्रिक्ट, जनरल ऑफ़ क्लिनिक्ल एण्ड डायग्नॉस्टिक रिसर्च 5; 5 ब्र, 1027-1033

नारायण के, श्रीवास्तव डी , पेलटो पी , वीरामल एस. ; 2021 ब्र प्यूबर्टी रीचूअल , रिपरोडक्टिव नॉलेज एण्ड हेल्थ ऑफ़ अडोलेसेन्ट स्कूल गर्ल इन साउथ इण्डिया , एसिया पेसिफिक पॉप्युलेशन

दासगुप्ता ए. एण्ड सरकार एम. , ; 2008 ब्र मेंस्ट्रुएल हाइजीन ; हाउ हाइजिनिक इस द अडोलेसेन्ट स्कूल गर्ल? इण्डिया जे कम्प्यूनिटी , मेड . 2008 33 2: 77

यानिका ए. एस. ; 2015 ब्र नॉलेज के एटीट्यूट ए. एण्ड प्रैक्टिस पी ऑफ़ वूमेन एण्ड मैन अबाउट मेंस्ट्रुएटी एण्ड मेंस्ट्रुएल प्रैक्टिस इन आहमदाबाद, इण्डिया: इम्प्लीकेशन फॉर हेल्थ कम्प्यूनिकेशन कैम्पेन्स एण्ड इन्टरवेनन्स् बॉलिंग ग्रीन स्टेट यूनिवर्सिटी ।